सशक्त भारत

सूर्या फाउण्डेशन मासिक पत्रिका

दिसम्बर, 2023
वर्ष : 21
अंक : 02
₹ 3 प्रति

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

www.suryafoundation.org

suryafoundation1 | @suryafnd | surya_foundation | suryafoundation

पोषण वाटिका
अनुभव

दिनेशभाई नारणभाई (किसान)
थरावड़ा गाँव, कच्छ - गुजरात

सूर्या फाउण्डेशन के द्वारा **हर घर पोषण वाटिका** के तहत हमारे परिवार को सब्जियों के बीज का पैकेट दिया गया था। इस सब्जियों को ऑर्गेनिक तरीके से कैसे ऊगा सकते है इसका विधिवत प्रशिक्षण भी दिया गया था। हमने इन सब्जियों के बीज को अपने खेत में लगाए और इस विभिन्न सब्जियों का हम उपयोग कर रहें है। इस पैकेट में विभिन्न प्रकार के बीज थे जो साल की अलग अलग सीजन के अनुसार लगाये गये। सूर्या फाउण्डेशन के मार्गदर्शन के अनुसार हमने ऑर्गेनिक तरीके से ही सब्जियों का उत्पादन कर रहें है और अच्छा उत्पादन भी हो रहा है।

इसमें लौकी, भिंडी, मिर्ची, टमाटर, फूल गोभी इत्यादि सब्जियाँ हमें मिल रही है। खाद्य और रासायनमुक्त सब्जियाँ खाने से स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है और एक शरीर में स्फूर्ति बनी रहती है। हम लोग इस सब्जियों के बीज का भी उत्तपादन कर ऑर्गेनिक बीज भी तैयार कर रहें है ताकि यह आने वाले साल में भी इसका उपयोग किया जा सके और इसका लाभ अन्य गाँव के परिवार को भी मिल सके। सूर्या फाउण्डेशन के चेयरमैन श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी एवं उनकी टीम का आभार व्यक्त करता हूँ।

स्वावलंबी की ओर महिला अग्रसर
छत्तीसगढ़

विगत दिनों सूर्या फाउण्डेशन द्वारा सूर्या साधना स्थली झिंझोली सोनीपत, हरियाणा में महिला सशक्तिकरण के लिए 5 दिवसीय महिला स्वरोजगार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया था। महिलाओं ने प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए गौ-उत्पाद के तहत धूपबत्ती, गोनायल, डिशवाश बनाने की योजना बनाई। जिसमें गीता स्वयं सहायता समूह, पद्मश्री नवकिरण स्वयं सहायता समूह और जगजननी स्वयं सहायता समूह के साथ समिति की महिलाएं अपने मासिक बैठक में प्रस्ताव रखा।

टुडीला (मध्य प्रदेश)

मल्टी लेयर कृषि प्रणाली प्रशिक्षण

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा भिंड जिला के टुडीला ग्राम पंचायत में मल्टी लेयर फार्मिंग प्रशिक्षण शिविर 50 से अधिक किसानों ने भाग लिया। मल्टी फार्मिंग के जनक व प्रधानमंत्री उन्नत कृषक से सम्मनित श्री आकाश चौरसिया एवं उनके सहयोगी गौरव जी द्वारा किसानो को विभिन प्रकार का प्रैक्टिकल व थ्योरी जानकारी उपलब्ध करवाया गया। टूडिला ग्राम पंचायत के किसान श्री कमलेश जाटव जी के 60-80 फीट के खेत पर मल्टी लेयर फार्मिंग का प्रयोग किया गया।

प्रशिक्षण के विषय :-

- प्राकृतिक एव जैविक खेती।
- बहुमंजिला कृषि का प्रैक्टिकल अभ्यास।
- कम पानी एव अन्य विधियों द्वारा उत्पादन में बढ़ोत्तरी।
- देशी बीजो का महत्व एवं भूमि स्वास्थ्य प्रबंधन।
- मिट्टी का संतुलित और सम्पूर्ण आहार बनाने की प्रक्रिया।
- भारतीय गाय का महत्व, आहार, नस्ल सुधार एवं गौ पालन प्रबधन।

NIFTEM

राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमशीलता एवं प्रबंधन संस्थान (NIFTEM) उद्यमियों, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग, निर्यातकों, नीति निर्माताओं आदि की जरूरतों के अनुरूप प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह संस्थान कुंडली, सोनीपत (हरियाणा) में स्थित है। यह भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय द्वारा संचालित किया जाता है। NIFTEM में शिविर की महिलाओं को चार समूहों में प्रशिक्षण दिया गया। पहले समूह को जयशंकर जी ने टोमैटो कैचप बनाना, दूसरे समूह को डा. मानसा रफीक ने दूध से चीज बनाना, तीसरे समूह को डा. तान्या ने चॉकलेट बनाना और चौथे ग्रुप को डा. दिनेश ने नान खटाई व केक बनाने का प्रशिक्षण दिया। साथ ही NIFTEM के पायलट प्लांट और CEFF Plant का भी भ्रमण कराया गया।

प्रशिक्षण के दौरान सिखाए गये उत्पाद

टमाटर सॉस

मिल्क चीज

चॉकलेट

केक

नान खटाई

नान खटाई प्रशिक्षण

मिल्क चीज प्रशिक्षण

चॉकलेट प्रशिक्षण

टमाटर सॉस प्रशिक्षण

धूपबत्ती

हैण्डवाश

सम्ब्रानी कप

उपले

गोनाइल

सूर्या फाउण्डेशन
द्वारा
प्राकृतिक एवं जैविक किसान सम्मेलन
का आयोजन

सूर्या फाउण्डेशन, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केंद्र, गाजियाबाद के संयुक्त तत्वाधान में सूर्या साधना स्थली, झिंझौली (सोनीपत, हरियाणा) में प्राकृतिक एवं जैविक किसान सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली एवं हरियाणा के लगभग 700 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा के कृषि मंत्री श्री जे. पी. दलाल जी ने कार्यक्रम की भूरी - भूरी प्रशंसा की एवं राज्य सरकार और केंद्र सरकार के कृषि क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने सोनीपत क्षेत्र में 12000 करोड़ की लागत से बन रही सबसे बड़ी मंडी की भी सूचना किसानों को दी।

खेती में बढ़ती रासायनिक खाद के उपयोग से बढ़ती स्वास्थ्य समस्याएं आज की प्रमुख समस्याओं में से एक है। अधिक उत्पादन की दौड़ में अंधाधुंध रसायनिक खादों के प्रयोग से आज मिट्टी दूषित हो गई है। और उन विकृतियों का परिणाम आज हमें खाद्य पदार्थों में दिखता है। खराब होती मृदा पर्यावरण के लिए भी मुश्किलें खड़ी कर रही है।

इसके निवारण हेतु आवश्यकता है प्राकृतिक एवं जैविक कृषि सम्मेलन में आए सभी संबंधित अधिकारियों ने किसानों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों को सिखाया। अच्छे प्रयासों के उदाहरण को किसान स्वयं देख सके उसके लिए लगभग 30 स्टॉल लगाए। जिसमें जैविक उत्पाद, ड्रोन, आधुनिक मशीनें, उन्नत भारतीय नस्लों (गिर, थारपारकर, मुर्रा) के बुल आदि प्रदर्शित किए गए। स्वयं सहायता समूहों द्वारा बनाये गये उत्पादों की भी स्टॉल लगायी गयी।

सूर्या फाउण्डेशन का लक्ष्य है उन्नत खेती, समृद्ध किसान कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्री मोहन लाल बड़ौली विधायक राई विधानसभा, राष्ट्रीय जैविक एवं प्राकृतिक खेती केन्द्र के निदेशक डॉक्टर गगनेश शर्मा, राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉक्टर धीर सिंह, केंद्रीय गौवंश अनुसंधान संस्थान के निदेशक ए. के. मोहंती, श्री पवन शर्मा उपकृषि निदेशक, सोनीपत, सूर्या फाउंडेशन के सीनियर वाइस चौयरमैन ब्रिगेडियर डी. सी. पंत, वाइस चौयरमैन मुकेश त्रिपाठी, हेमंत शर्मा सहित विभिन्न कृषि एवं पशु वैज्ञानिक की सहभागिता रही

सशक्त भारत के प्रकाशक, मुद्रक-बिग्रेडियर डी.सी. पंत (सेवानिवृत्त) द्वारा सूर्या फाउण्डेशन के लिए बी-3/330, पश्चिम विहार, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं एक्सपो प्रिंट एवं मीडिया ज्वालाहेड़ी, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110063, से मुद्रित
सम्पादक : प्रमोद कुमार आसरे

Licence No. DL(W) 10/2109/2024-26
R.N.I. No. DELHIN/2003/09359

Date of Publication : 04 Feb, 2024
Date of Postage : 7-8 Feb, 2024
Place of Posting : NIE Post Office

झलकियाँ समाचार पत्रों में

सूर्या साधना स्थली झिंझौली में पांच दिवसीय महिला स्वालंबन शिविर

महिलाओं को दिया आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ खरखौदा

सूर्या साधना स्थली झिंझौली में पांच दिवसीय महिला स्वालंबन प्रशिक्षण शिविर का बुधवार को उद्घाटन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सदस्य-जीवजंतु कल्याण बोर्ड, भारत सरकार मोनिका अरोड़ा, वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन हेमंत शर्मा, प्रमुख-आदर्श गांव योजना प्रमोद, कामेश्वर दलाई, ट्रस्टी सूर्या फाउंडेशन विकास, जोन प्रमुख शत्रुहन लाल कश्यप के साथ कई वरिष्ठ अधिकारियों सहित हरियाणा, आंध्र प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, मध्य

खरखौदा। प्रशिक्षण शिविर की प्रतिभागी महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

प्रदेश सहित देशभर से कुल 80 महिलाएं उपस्थित रहीं।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में महिला स्वावलंबन विषय पर विशेष जोर दिया जाएगा। जो महिलाएं आसानी से घर पर रहते हुए अपने खाली समय का उपयोग करके परिवार की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत बना सकें। इसलिए ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा उपयोगी गौ उत्पाद जैसे धूपबत्ती, संब्रानी कप, मुल्तानी साबुन, दंत मंजन, अग्निहोत्र उपले, दीपक, मूर्तियां बनाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा। घर में दैनिक रूप में उपयोगी वस्तुएं वाशिंग पाउडर, हैंड वाश, डिश वाश आदि वस्तुएं बनाने के प्रशिक्षण के साथ साथ महिलाओं की रुचि हस्तशिल्प कला में होती है। इसलिए हस्तशिल्प कला प्रशिक्षण के अंतर्गत महिलाओं के लिए उपयोगी आर्टिफिशियल ज्वैलरी, सजावट की वस्तुएं, पूजा की वस्तुएं आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। जिससे वे स्वावलंबी बन सकें। प्रैक्टिकल प्रशिक्षण के साथ साथ देशभर से आई महिलाओं को स्वरोजगार के विशेषज्ञ का मार्गदर्शन भी मिलेगा। सूर्या फाउंडेशन के चेयरमैन जय प्रकाश स्वयं इस प्रशिक्षण में महिलाओं को प्रेरित करेंगे।

मल्टी लेयर कृषि प्रणाली प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

भिण्ड। सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के द्वारा भिंड जिला के टुडीला ग्राम पंचायत में मल्टी लेयर फार्मिंग का त्रिदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजना किया गया 7 प्रशिक्षण में 50 से अधिक किसानो ने प्रशिक्षण में भाग लिया। मल्टी फार्मिंग के जनक व प्रभावशाली उन्नत कृषक से सम्मानित आकाश चौरसिया एवं उनके सहयोगी गौरव द्वारा किसानो को विभिन्न प्रकार का प्रेक्टिकल व खेती की जानकारी उपलब्ध करवायी गयी 7 टुडीला ग्राम पंचायत किसान कमलेश जाटव के 60स 80 फीट के खेत पर मल्टी फार्मिंग लेयर का प्रयोग किया गया। प्रशिक्षण में 7 गाँव 50 से अधिक प्राकृतिक जैविक खेती करने वाले किसानो ने भाग लिया आकाश के द्वारा निम्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया -

1 - प्राकृतिक एवं जैविक खेती

2 - बहुमंजिला कृषि प्रैक्टिकल अभ्यास

3 - कम पानी एवं अन्य विधियों द्वारा उत्पादन में बढ़ोतरी

4 - देशी बीजो का महत्व एवं भूमि स्वास्थ्य प्रबंधन

5 - मिट्टी का संतुलित और सम्पूर्ण आहार व नाने की प्रक्रिया

6 - भारतीय गाय का महत्व, आहार, नस्ल सुधार एवं गौ पालन प्रबंधन

आदि विषयो पर महत्व पूर्ण जानकारी प्रयोग अभ्यास किया गया 7 यह प्रशिक्षण किसानो के लिए आर्थिक उन्नति की एक रास्ता होगा जो खेत और किसान से हो कर जायेगा जो इस रास्ते में चले गा उसका जीवन समृधि भरा होगा उन्नत कृषि प्रणाली वाली यह पद्धति अधिक लाभ वाली है किसानो को समृधि शाली व्यवस्था का भाग बनाएगा 7 आदर्श गाँव योजना प्रमुख प्रमोद ने बताया कि यह प्रणाली द्वारा किसानो की आय दुगनी का प्रमुख साधन है किसान इस विधि के माध्यम से खेती की लागत में बहुत कमी आयेगी और लाभ का प्रतिशत बहुत बढ़ेगा इस विधि के कारण किसानो की आत्महत्याओं में भी कमी आयेगी । कार्यक्रम के सूर्या फाउंडेशन जैविक खेती प्रकल्प के प्रमुख संजय वशिष्ट एवं आदर्श गाँव योजना प्रोजेक्ट हेड प्रमोद आसरे, सत्रुघन लाल, सूर्या फाउंडेशन के शिव राजवाड़े ग्राम पंचायत सरपंच एदल गुर्जर, सचिव जितेन्द्र गुर्जर, पूर्व कृषि विस्तारक अधिकारी कमलेश शर्मा ने जैविक खेती के उन्नत किसान समर्थ सिंह, सूर्या फाउंडेशन आदर्श गाँव योजना के सीनियर प्रोग्राम कोआर्डिनेटर अशोक कुमार आजीविका प्रमुख रवि तिवारी, कलस्टर कोआर्डिनेटर राजीव सिंह आदि उपस्थित रहे।